राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 555
विनाशलीला
नागराज

जोंस नाम के एक आपराधिक वैज्ञानिक ने एक ऐसा रसायन बनाया जो इंसानी शरीर में अग्निरोधक क्षमता पैदा कर सकता था। उसने एक उड़ते प्लेन के अंदर कलावा नाम के एक स्वयं सेवक को उसकी बेटी की जान लेने की धमकी देकर वह रसायन पिलाया और उसको नागद्वीप के ज्वालामुखी में कूदने को मजबूर कर दिया। साथ ही साथ उसकी बेटी को भी प्लेन से फेंक दिया गया। कलावा ने अपनी बेटी को तो बचा लिया पर खुद ज्वालामुखी के दहकते लावे में समा गया। उसकी बेटी को विसर्पी और उसके छोटे भाई विषांक ने बचा लिया और बेहोश बच्ची का इलाज करने लगे। दूसरी तरफ महानगर में फायरमैनों के वेष में आए कुछ लुटेरों ने की बैंक लूटने की कोशिश जिसको नागराज ने सौडांगी की मदद से असफल किया। पर उनका लीडर जो वास्तव में जोंस का आदमी था, ऐन वक्त पर कलावा के घटना स्थल पर आ जाने के कारण भाग निकला। कलावा अब एक नए प्राणी लावा में परिवर्तित हो चुका था और उसकी याददाश्त भी काफी कमजोर हो गई थी। उसको सिर्फ इतना याद था कि उसकी कोई प्यारी चीज इंसानी नागों के निवास स्थान के आसपास खो गई है। उसने सौडांगी को देखकर महानगर को वही स्थान समझा और विनाश फैलाना शुरू कर दिया। नागराज उससे जूझने लगा। इसी दौरान नागद्वीप में भी विषांक बेहोश लड़की के मस्तिष्क के जरिए उसके पिता को ढूंढ़ रहा था। उसके द्वारा भेजे गए सिग्नल लावा रूपी कलावा को मिले और लावा नागराज से हो रही लड़ाई को अधूरा छोड़कर नागद्वीप की तरफ रवाना हो गया। नागराज भी उसके पीछे रवाना हो गया पर उसको लौट आना पड़ा क्योंकि उसके जासूस सर्प महानगर में स्थित इंटरनेशनल गोल्ड एक्सचेंज में हो रही एक बड़ी डकैती की सूचना दे रहे थे। महानगर में फैलने वाली थी एक भयानक...

विनाशलीला

यहां तक की कहानी आपने लावा (नागराज) में पढ़ी। अब पढ़ें इस रोमांचक कहानी का अंतिम भाग।

कथाः	चित्र :	इंकिंग :	सुलेख एवं रंगः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

यहां पर रुकने का कोई फायदा नहीं है! मुझको वापस जाना होगा! और नागराज से ही उस स्थान का पता पूछना होगा!
लावा को नागद्वीप नहीं दिख रहा था-
लेकिन नागद्वीप वासी उसको स्पष्ट देख सकते थे-
ये आफत वापस जा रही है! शायद इसको नागद्वीप की नहीं, किसी और चीज की तलाश थी!
चलो जो हुआ अच्छा ही हुआ!
बुरे को अच्छा बनाने में सदियां बीत सकती हैं-
लेकिन अच्छे को बुरे में बदलने के लिए एक पल ही काफी होता है-
खौं खौं! ये धुआं मेरे रास्ते में कहां से आ गया?
सूंssss
अरे! इस धुएं में तो सल्फर की गंध मौजूद है! ये ज्वालामुखी का धुआं है! पर आसपास तो ज्वालामुखी है ही नहीं...
...नहीं, बगैर ज्वालामुखी के ये धुआं यहां पर आ ही नहीं सकता!
ज्वालामुखी है! यहीं पर है! बस वह नजर नहीं आ रहा है!
मुझे याद आ रहा है कि मेरी प्यारी चीज जहां पर खोई थी वहां पर भी एक ज्वालामुखी था!
ये जरूर उन शैतानों का ही षड्यंत्र है! जिन्होंने मुझसे मेरी प्यारी चीज को छीना है!
पर मैं इस शैतानी षड्यंत्र को विफल करके ही रहूंगा! वह जगह मुझसे छिप नहीं सकती जहां पर मेरी प्यारी चीज मौजूद है!

अरे! वह तो यहां से दूर भागने के बजाय पास के समुद्र में ही गोता लगा गया! और पूरा वातावरण भाप से भर गया है!
आऽऽऽऽऽऽऽऽऽ
आहा! पहली बार सुनी है कुमार विषांक की आवाज!
पर ये कह क्या रहे हैं?
समुद्र का पानी खौल गया है और उसके कारण बनी लहरें नागद्वीप के तट को डुबोती हुई आगे आ रही हैं!
भागो विषांक!
हे नागदेव! जिसके पास के समुद्र में डूबने से नागद्वीप डूबने लगा है, वह अगर नागद्वीप पर आ जाता तो क्या होता?
नागद्वीप का विनाश हो जाता! खत्म हो जाता नागद्वीप!

चलो! फिलहाल तो बला टल गई न!
श श श! चुप!
गड़ड़ड़
कुछ गड़गड़ाने की आवाज आ रही है! नागद्वीप कांप रहा है कुमारी विसर्पी!
क्या हुआ?
विसर्पी को अपने सवाल का जवाब अगले ही पल मिल गया-
मैं आ गया हूं शैतानों! अब या तो मेरी चीज मेरे हवाले कर दो!
या फिर अपने शैतानी षड्यंत्र का फल भुगतने के लिए तैयार हो जाओ।
गड़ड़ड़
ये आवाज ज्वालामुखी के मुहाने से आ रही है! लावे के छींटे भी उड़ते नजर आ रहे हैं!
नागद्वीप का ज्वालामुखी फटने वाला है! पर कैसे? ये तो कई सदियों से शान्त था!
ओफ़! ये तो वही प्राणी है! अब मैं समझी इसके समुद्र में डूबने का रहस्य! जब ये अदृश्य नागद्वीप को ढूंढ नहीं पाया तो समुद्र के अंदर जाकर भूमिगत ज्वालामुखी के मुंह में घुसकर इस ज्वालामुखी से बाहर आ गया!
अब ये नागद्वीप के अंदर है और इसको सबकुछ नजर आ रहा है! पर ये चाहता क्या है?

नागसैनिकों की टुकड़ी ने देखते ही देखते लावा का रास्ता रोक लिया-
तुम पीछे रहना विषांक!
रुक जाओ, और अपना परिचय दो! तुम्हारा यहां पर आने का कारण क्या है? या हमारे प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दो या इस द्वीप से चुपचाप वापस चले जाओ! अगर ऐसा न हुआ तो यहां से तुम्हारी लाश ही बाहर जाएगी!
शैतानों की जुबान धमकी देने के अलावा और क्या कर सकती है!
तुमने धमकी दे ली! अब मेरी चेतावनी सुनो! मेरे दुश्मन मुझे लावा के नाम से पुकारते हैं!
और तुम्हारे पास मेरी एक चीज है! मेरी प्यारी चीज! उसे मुझको सौंप दो! मैं चुपचाप यहां से चला जाऊंगा!
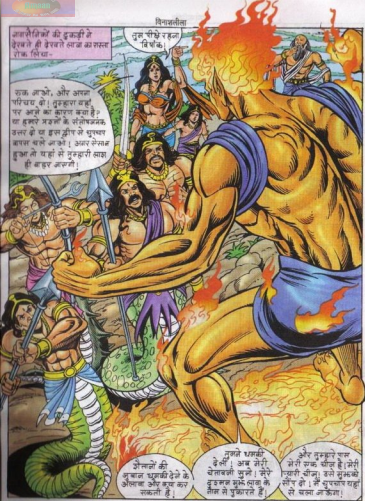
Amaan
तुम किस चीज की बात कर रहे हो? स्पष्ट बताओ!
वह चीज तो...
याद आ रहा है! हां! मुझे याद आ रहा है!
वह प्यारी चीज वह प्यारी चीज-
कलावा के मस्तिष्क की क्षतिग्रस्त कोशिकाएं शायद फिर से बन रही थीं-
क्योंकि इस बार 'प्यारी चीज' का नाम लेते ही उसके दिमाग में एक धुंधली सी तस्वीर उभर रही थी-
वह प्यारी चीज...
तो इसे लेने आया है तू! मैं तो समझ गई कि तू यहां पर क्या लेने आया है!
पर साथ साथ मैं यह भी समझ गई हूं कि तेरे इरादे नेक नहीं हैं! जब तू अपनी प्यारी चीज को पहचानता ही नहीं है तो तेरा उससे संबंध हो ही नहीं सकता! तुझे जरूर किसी ने भेजा है! उस प्यारी चीज को नुकसान पहुंचाने के लिए!
...ये है! ये है!
मां!
उई मां!
बचाओ! बचाओ!
ये जरूर उस बेहोश बच्ची की बात कर रहा है! पर ये उसको पहचानता नहीं है! और इसका एक ही कारण हो सकता है!
इसको भेजने वाला वही आदमी है जिसने उड़ते जहाज से बच्ची को नीचे फेंका था! परंतु उसने बच्ची को बचते हुए देख लिया होगा और अब उस अधूरे काम को पूरा करने के लिए यानी बच्ची को मारने के लिए उस शख्स ने इस शैतान को भेजा है!
रोको इसे! नागपाश में बांधो! और अगर ये किसी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे तो इसे खत्म कर दो!

नागपाश लावा के शरीर पर आ कसा-
आSSSह! मुझे बांधने की कोशिश बेकार है! मेरी गर्मी इस रस्सी को पलभर में जला देगी!
ये नागपाश है! इस पर ऊष्मा का जरा भी असर नहीं होता!
जब तक ये मेरे यानी पाशनाथ के हाथों में है तब तक ये भी मेरी गुलाम है और तू भी!
तो फिर मुझको तुझे अपना गुलाम बनाना पड़ेगा!
और तुझको गुलाम बनाएगा मेरा गुलाम!
तैरती चट्टान पाशनाथ से जा टकराई और नागपाश, पाशनाथ के हाथों से छूट गया-
लावा आजाद हो गया-
और आजाद होते ही-
उसके शरीर में दर्जनों विषबुझे हथियार आ धंसे-
लेकिन नागसैनिकों को इस वार का जवाब जरूर मिला-
पर उसदहकते शरीर पर न विष का प्रभाव हुआ और न ही हथियारों की धार का-

अब मैं ढूंढूंगा अपनी प्यारी गुड़िया को। खुद ढूंढ लूंगा मैं उसको।
और इस बवंडर से मैं ढूंढूंगा अपनी बच्ची को।
नहीं। इस घर में वह नहीं है।
यहां पर भी नहीं है।
ओह! ये अपनी ऊष्मा से हवा को गर्म करके बवंडर पैदा कर रहा है।
यह विनाश फैला रहा है। अब तो महात्मा कालदूत को समाधि से उठना ही पड़ेगा।
उनके सिवा इस मुसीबत से और कोई नहीं निपट सकता।
महात्मा को कष्ट देने की आवश्यकता नहीं है कुमारी विसर्पी। इसके लिए तो मैं ही काफी हूं। आदेश दें मुझे।
तुम! तुम रोकोगे इस तूफान को अंगार नाग?
अपनी जान पर खेलोगे?
जान तो आपकी अमानत है मेरे पास।
और आग से अगर कोई लड़ सकता है--

... तो सिर्फ आग!
आग उगलता हुआ एक उड़ता ड्रैगन था अंगारनाग-
आऽऽऽह! अजीब-अजीब शैतानों की टोली जमा है यहां पर! पर ये सभी मिलकर भी लावा को अपनी गुड़िया तक पहुंचने से रोक नहीं पाएंगे!
सबकी जरूरत नहीं है लावा! तुझको इस द्वीप से निकालकर फेंकने के लिए एक ही सर्प काफी है! अंगार सर्प!

अंगार नाग इसको रोक तो रहा है, लेकिन ये बार-बार बेटी का नाम ले रहा है!
कहीं ये सचमुच उस बच्ची का पिता तो नहीं है! बात बढ़ने से पहले इस बात की सच्चाई की जाँच कर लेनी चाहिए!
आओ विषांक!
जल्दी ही-
ऊपर देखो बेटी!
वह जो इंसान चट्टान पर उड़ रहा है, क्या तुम उसे पहचानती हो!
क्या ये तुम्हारा कोई लगता है?
नहीं, दीदी! ये तो कोई राक्षस लगता है। इसको मैंने पहले कभी नहीं देखा!
घबराओ मत! जो मैं जानना चाहती थी, वह मैं जान चुकी हूं! अब इसको यहां से जाना ही पड़ेगा।
ये बहुत डरावना है! इसको यहां से भगा दो दीदी! भगा दो!
जिन्दा या मुर्दा!
ये सब क्या हो रहा है, विसर्पी?
महात्मा कालदूत! अच्छा हुआ कि आप स्वयं समाधि से जाग गए! सुनिए...
विसर्पी, कालदूत को पूरा किस्सा सुनाती चली गई-
अब आप ही बताइए! क्या एक बच्ची की जान के लिए पूरे नागद्वीप को खतरे में डालना उचित है!
इसका उत्तर महान संत तुलसीदास, रामचरित मानस में दे चुके हैं विसर्पी!
उन्होंने लिखा था कि जो अपने नुकसान की सोचकर शरण में आए प्राणी का साथ छोड़ देता है उसको सिर्फ देखने से ही महापाप लगता है!
हम ऐसे महापापी नहीं बनेंगे! नागद्वीप चाहे रहे न रहे, पर ये बच्ची, लावा को नहीं मिलेगी!
लावा के लिए अपनी बेटी तक पहुंचना और मुश्किल से मुश्किल होता आ रहा था-

और यही हाल नागराज का था-
वह आग उगलते तीन शैतानों के पीछे 'इंटरनेशनल गोल्ड एक्सचेंज' की इमारत तक तो आ गया था, लेकिन अब और आगे आना मुश्किल होता जा रहा था-
आऽऽऽह! चारों तरफ से आग की लपटें मुझ तक बढ़ती चली आ रही हैं! अब न तो मैं आगे जा सकता हूं और न ही पीछे! लेकिन इस इमारत में तो 'अल्ट्रा-मॉडर्न स्प्रिंकलर सिस्टम' लगा है जो इतनी बड़ी आग को आसानी से बुझा सकता है! वह चालू क्यों नहीं हो रहा है!
इन लुटेरों ने जरूर उस 'सिस्टम' को जाम कर दिया है! मुझे उसको फिर से चालू करना पड़ेगा, वर्ना इस आग की दीवार को पार करके मैं लुटेरों तक कभी पहुंच नहीं पाऊंगा!
वे कदम-कदम पर लपटें उठाते रहेंगे और मुझे कदम-कदम पर मौत से लड़ना पड़ेगा!
सुनो! क्या तुम होश में हो? अगर हो तो बताओ कि स्प्रिंकलर सिस्टम का कंट्रोल बॉक्स कहां पर है?
बेस... मेंट में! आऽऽऽह!
बेसमेंट में! लेकिन बेसमेंट में जाने का रास्ता तो आग से ही घिरा हुआ है! वहां तक मैं पहुंचूंगा कैसे?

इसी रास्ते से जाना होगा, जिस रास्ते से मैं अंदर आया था!
अंडरग्राउंड ड्रेन के रास्ते से
अगर मेरा अंदाज सही है तो बेसमेंट इसी दीवार के पीछे होना चाहिए!
अब तुम थोड़ी देर तक यहीं पर आराम करो! मैं अभी वापस आता हूं!
नागराज के शरीर में लाखों सर्पों की शक्ति थी-
और इस शक्ति के सामने न तो ड्रेन की दीवार टिक सकती थी और न ही मिट्टी की वह मोटी पर्त जो ड्रेन और बेसमेंट की दीवार के बीच में थी-
CONTROL BOX FOR SPRINKLER
मेरा ख्याल सही था! यही है बेसमेंट जिसमें कंट्रोल बॉक्स लगा हुआ है!

रहा वह बॉक्स! शैतानों इसके सारे तार तोड़ डाले ! अब हर तार को जोड़-जोड़कर चेक करना पड़ेगा और इतना वक्त मेरे पास नहीं है!
मुझे उन तीनों लुटेरों को लॉकर रूम में रखे बेशुमार सोने तक पहुंचने से पहले ही रोकना है!
तो समय खराब मत करो, नागराज! मैं इन तारों को जोड़-जोड़ कर चेक करने का काम करती हूं!
ठीक है सौडांगी! लेकिन अगर 'स्प्रिंकलर सिस्टम' नहीं चला तो मुझे उन तक पहुंचने के लिए आग की कई दीवारें पार करनी पड़ेंगी! आखिर मैं उन दीवारों को पार करूंगा कैसे?
हुमsss सोचती हूं!
रहने दो!
मुझे एक रास्ता समझ में आ गया है!
नागराज अभी तरीके ही सोच रहा था-
और जोंस अपने साथियों के साथ उस लॉकर रूम के पास तक पहुंच चुका था जिसमें टनों सोना रखा हुआ था-
हा हा हा! दागते रहो! इस पर फायर बम! जल्दी ही ये दरवाजा पिघल-कर खुल जाएगा!
मुझे तो डर है कि कहीं उससे पहले ये इमारत ही हमारे सिर पर न आ गिरे!

इंटरनेशनल गोल्ड एक्सचेंज के बाहर चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात हो चुके थे-
भयंकर आग है! इस आग से कोई नहीं बच सकता! न ही लुटेरे और न ही नागराज!
नागराज की तो पता नहीं सर, लेकिन थोड़ी देर पहले 'वॉकी-टॉकी' पर अंदर से एक गार्ड का मैसेज जरूर आया था। उसके अनुसार डकैती डालने वाले तीनों लुटेरों पर आग का कोई असर नहीं हो रहा था!
FIRE
ओह! ये मुसीबत तो उस लावा जैसी ही लगती है! पर वे जो भी हों सोने को लूटकर बाहर जिन्दा नहीं निकल सकते!
क्योंकि एक तो अंदर रखे सोने की हर छड़ का वजन पचास किलो है! एक-दो छड़ों से ज्यादा तो एक आदमी उठा ही नहीं सकता!
और अगर किसी तरह उठाकर बाहर आ भी गया, तो हमारी गोलियों के सामने जिन्दा नहीं रह सकता! चिन्ता मत करो! इंटरनेशनल गोल्ड एक्सचेंज का सोना एकदम सुरक्षित है!
सिर्फ ऐसा बोलने से कुछ नहीं होने वाला था! सोने को अगर बचाना था तो उसके लिए कोशिशें करनी जरूरी थीं-
और वह भी अपनी जान पर खेलकर-
कमाल है नागराज! तुमने तो दीवार से जुड़े पाइप को ही खींच लिया! इसमें तो दीवार तोड़ने से भी ज्यादा शारीरिक शक्ति लगती है!
पर तुम इसका करोगे क्या?
ये पाइप मेरी वह गाड़ी है सौडांगी...
जो मुझको...

... लुटेरों तक पहुँचाएगी!
बस इसकी बदबू से बचने के लिए मुझे सांस को थोड़ा रोककर रखना पड़ेगा!
तब तक तुम 'स्प्रिंकलर सिस्टम' को चालू करने की कोशिश जारी रखो, सौडांगी!
अब नागराज आग की लपटों से सुरक्षित था-
और तेज गति से जोंस और उसके आदमियों की तरफ बढ़ रहा था-
लेकिन ये गति भी लुटेरों को रोकने के लिए शायद नाकाफी थी-
क्योंकि अब तक फायर बमों की प्रचंड ऊष्मा ने लॉकर रूम के धातु के द्वार को पिघला दिया था-
वाSSS! इतना सारा सोना! मु... मुझे तो हार्ट अटैक आ जाएगा!
मजाक छोड़! इतना सोना आखिर हम यहाँ से ले कैसे जाएंगे!
इसके लिए तो दर्जनों ट्रकों की जरूरत पड़ेगी!
मैं इसका तरीका भी सोचकर आया हूँ!

सुनो!
आऽऽऽह!
ये क्या?
ये नागराज है!
आखिर ये आग की दीवारों को पार करके हम तक पहुंच ही गया!
मैंने कहा था न कि नागराज के रहते हम कभी सफल नहीं हो सकते!
ठीक समझा था तुमने! अब तुम तीनों को सोना मैं दूंगा। एक-एक शीशी नींद की गोलियां दूंगा!
उनको खाकर जेल में बीस साल तक आराम से सोना!

कहानी 19 पेज से जारी

यहां तक सही सलामत पहुंचकर ये मत समझ नागराज कि तू हमको रोकने में कामयाब हो जाएगा!
थोड़ी देर पहले तो हमने तुझको जल्दी बाजी में जिन्दा छोड़ दिया था! पर शायद तेरी मौत हमारे हाथों से ही लिखी है!
आह!
तुम्हारी ये पोशाकें बुलेट प्रूफ जरूर हो सकती है, मगर ये नागराज-प्रूफ नहीं है!
शायद ये पोशाकें ही तुम लोगों को आग से बचा रही है! इसको उतरवाना ही पड़ेगा।
तुम्हारी ये पोशाकें गोलियां तो रोक सकती हैं...
... लेकिन मेरे सांपों को नहीं रोक सकती!
सांप! सांप!
और... और ये हमारी ड्रेस में घुस रहे हैं!
उतार... उतार फेंको इन बुलेटप्रूफ पोशाकों को!
और ये काम करेगी मेरी विष फुंकार!

Amaan
ओह! ओह! मुझे चक्कर आ रहा है! मैं... मैं बेहोश हो रहा हूं!
और अब मुझसे बचने के लिए तुम 'अग्नि बमों' का प्रयोग भी नहीं कर सकते! क्योंकि अब आग से बचने के लिए तुम्हारे शरीरों पर अग्निरोधी पोशाकें भी नहीं हैं!
नागराज यही एक गलती कर गया-
उसको यह पता नहीं था लुटेरों की अग्निरोधक क्षमता-
उनकी पोशाकों के कारण नहीं थी-
बल्कि यह क्षमता उनके शरीर के अंदर ही थी-
आऽऽऽ ऊऊऊ! मुझे अपने शरीर में घुस गए नागराज के विष को जलाना होगा!
और इसके लिए मुझे उस श्वास फरनेस बम को रिमोट से फोड़ना होगा!
जो मैं निगलकर ही यहां पर आया था!
आर्रर्रर्रघ!
ओह! इनके अंदर भी लावा की तरह अग्नि को धारण करने की क्षमता है!
कहीं ये वही शैतान तो नहीं है जिनका लावा जिक्र कर रहा था! जिन्होंने लावा को धोखा दिया था!
धोखा नहीं दिया था!
प्रयोग किया था!

और परीक्षण के दौरान अगर वह लावा बन गया तो मैं क्या करूं? जैसे तुम अपने आप मेरे सामने आकर मरने की जिद करने लगे तो मैं क्या करूं?
आऽऽऽह!
जल नागराज जल! और जलते-जलते देख कि हम कैसे सारा सोना यहां से ले जाते हैं!
यह असंभव है! जरा सा भी सोना यहां से कोई नहीं ले जा सकता! चारों तरफ पुलिस ने घेरा डाला हुआ है!
मरता आदमी सचमुच झूठ नहीं बोलता बॉस! एक तो पुलिस का सख्त घेरा है, और ऊपर से यहां टनों-टन सोना है! इसको हम ले कैसे जाएंगे?
बस देखता जा!
फूऽऽऽऽ
आग की भीषण लपट फर्श को मक्खन की तरह गलाने लगी-
और फर्श में एक बड़ा छेद हो गया-
अब मैं तुम दोनों के पेट में पड़े 'फर्नेस बम' को फोड़ने जा रहा हूं! उसके बाद हमारा असली काम शुरू होगा!
ज...जरा धीरे से फोड़ना, बॉऽऽऽऽऽस!
आऽऽऽऽऽऽ ऊ ऽऽऽऽऽ
अब चारों तरफ रखी सोने की छड़ों पर आग की लपटें छोड़ो! गला डालो सारे सोने को!
पर सोने को गलाकर क्या होगा?
फूऽऽऽऽ
सवाल का जवाब एक मिनट के अंदर-अंदर सामने आ गया-

शेल्फो में रखी सोने की भारी छड़े पिघल-पिघल कर फर्श पर सोने का तालाब बनाने लगीं-
और इस तालाब का सोने का पानी फर्श के छेद में समाने लगा-
फर्श का यह छेद एक सुरंग से होता हुआ सीधे उस 'स्टार्म ड्रेन' में खुल रहा है! जिसका प्रयोग सिर्फ बारिश में जमा हुए पानी या नदियों में आई बाढ़ के पानी को निकालने के लिए किया जाता है!
अब इस सुरंग में उतरकर हम सोने को गलाते हुए बहाकर यहां से दूर ले जाएंगे! और फिर ये सोने की नदी कहां गई इसको हमारे अलावा और कोई नहीं जानेगा!
गलाते जाओ और बढ़ते जाओ! पुलिस को बाहर घेरा डाले रहने दो!
ये सोना इस देश की अमानत है! ये सोने की नदी अगर कहीं जाएगी तो सिर्फ करोड़ों हिन्दुस्तानियों के घर खुशहाली के रूप में!

नागराज! तू… तू जलकर मरा नहीं! कैसे बच गया तू?
जलकर मरने से तो मैं खुद शायद नहीं बच पाता! पर मेरे शरीर में मौजूद शीतनाग ने एक तरफ मेरे शरीर में ठंडक बनाए रखी जिससे मेरे शरीर के जलने की गति एकदम धीमी हो गई!
और फिर ऐन वक्त पर सौडांगी ने अपना काम कर दिया! उसने 'स्प्रिंकलर सिस्टम' के कंट्रोल पेनल के सही कनेक्शन जोड़ दिए, और आग बुझाने वाली पानी की फुहारों ने मेरे शरीर की आग को बुझा डाला!
मैं कैसे बचा ये जानकर तुम क्या करोगे?
तुम तो ये सोचो कि तुम तीनों कैसे बचोगे!
तू जान बूझकर आग से खेलने की हिम्मत कर रहा है! हर बार किस्मत तेरा साथ नहीं देगी!
और आग भी हर बार तुम्हारा साथ नहीं देगी! इस बार आग मेरा साथ देगी!
इनके शरीर आग की भीषण गर्मी को सह सकते हैं, लेकिन किस सीमा तक? कोई तो हद होगी इस सहन शक्ति की! और इस सहन शक्ति की सीमा को तोड़ेंगे खुद भीषण गर्मी पैदा करने वाले मेरे ध्वंसक सर्प!
भट्ठी तीनों शैतानों
आग का भंडार पैदा कर रही थी-
और ध्वंसक सर्पों की गर्मी उनके शरीरों को बाहर से दहका रही थी-
आग की दो भीषण पर्तों के बीच में तीनों शैतानों के शरीर घिर गए थे-

और आग के इस भंवर को इंसानी शरीर बर्दाश्त नहीं कर सकता था-

आsssह! मेरा अग्नि-रोधक मिश्रण हमारे शरीरों को आग में जलने से बचा तो रहा है, लेकिन गलने से नहीं बचा पा रहा है!

अब तुम शैतानों को कोई भी नहीं बचा सकता!

नागराज का क्रोध कहर बनकर तीनों शैतानों पर टूट रहा था-

समझा! ये पानी 'स्प्रिंकलरों' से गिरा हुआ पानी है! आग की गर्मी ने पानी निकालने वाली सारी नालियों को पिघलाकर जाम कर दिया होगा! इसीलिए जो पानी उन नालियों से नहीं निकल पाया! वह सीधे 'स्टार्मड्रेन' में आकर गिर रहा है! ग्लप!
और इससे अचानक बाढ़ आने जैसी स्थिति पैदा हो रही है!
यह बाढ़ शायद तीनों शैतानों की किस्मत से ही आई थी-
क्योंकि जब पानी की लहरें आगे बढ़ गईं और नागराज वापस लौटा तो-
ओह! वे तीनों शैतान गायब हैं! यानी लहरें उनको बहाकर ले गई हैं! खैर वे बचकर जाएंगे कहां! चलो, कम से कम वे शैतान सोने को लूटने में तो कामयाब नहीं हो पाए!
पानी के कारण सोने की नदी ठंडी होकर यहीं पर जम गई है!
तुम ठीक तो हो न, नागराज?
हां, सौडांगी! तुमने सही वक्त पर अपना काम कर दिया!
और मेरी कोई तारीफ नहीं? मैंने क्या कुछ भी नहीं किया?
अरे, नहीं शीतनागकुमार! अगर तुम मेरे शरीर को अंदर से ठंडा न रखते तो सौडांगी के काम पूरा कर पाने से पहले ही मैं जल चुका होता! मैं तो सुरक्षित बच गया! पर यह दुनिया अभी सुरक्षित नहीं है!

"क्योंकि वे तीनों आग उगलते शैतान अभी भी आजाद हैं-"
आऽऽऽह! ये हम कहाँ आ गए हैं? और मेरी त्वचा सुन्न क्यों हो गई है! मैं कुछ भी महसूस नहीं कर पा रहा हूं!
हम 'स्टार्म ड्रेन' के रास्ते समुद्र में आ गिरे हैं मूर्ख! और हममें से किसी की त्वचा सुन्न नहीं हुई है! हमारी खालों पर सोने की पर्त चढ़ गई है!
पर हम उठ क्यों नहीं पा रहे हैं?
...तीन!
ये क्या? हम तीनों के शरीर आपस में गलकर जुड़ गए हैं! हम तीन मुँह वाला एक शैतान बन गए हैं!
शायद थकान की वजह से! देखो, हम तीनों एक-दूसरे का सहारा लेकर एक साथ उठते हैं!
एक... दो...
सोने का पानी चढ़ा एक शैतान! और ये सब नागराज के कारण हुआ है!
उसी के कारण हम सोना लूटने में असफल रहे और अब उसी के कारण हम सोने के शैतान में बदल गए हैं! उसके इन अपराधों की एक ही सजा है!
उसकी मौत! एक भयानक और दर्दनाक मौत!
इधर नागराज ने अपनी मौत को खुद ही पैदा कर लिया था-

और इधर नागद्वीप ने जानबूझकर अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली थी-
लावा रूपी कलावा और उसकी बेटी के बीच में दीवार बनकर-
बस! बहुत उड़ लिया तू !अब जमीन पर आ जा!
बहुत हो गया खेल तुम शैतानों का! अब लावा तुम सबको तबाह कर देगा!
बर्बाद कर देगा तुम्हारे इस निवास स्थान को!
यह तो सीधे हमारे राजनिवास पर हमला कर रहा है!
इस बच्ची को लेकर बाहर भागना होगा!
आओ विषांक जल्दी!
अरे! यही... यही तो है मेरी प्यारी चीज! आ जा! इधर आ जा, बेटी!
मुझे पहचान बेटी! मैं तेरा पापा हूं पापा!
बचाओ दीदी! अब तो ये शैतान मेरे पापा की आवाज में बोल रहा है!
घबराओ मत! तुम पर आंच भी नहीं आएगी!
आओ, विषांक! तुम रुक क्यों गए? आओ!

विषांक ने इस मुसीबत को खुद रोकने की ठान ली थी-
हट जा मेरे रास्ते से बच्चे! वर्ना तेरी कोमल त्वचा तो मेरे लावे की आंच से ही झुलस जाएगी!
आऽऽऽह! ये क्या हो रहा है?
कोई शक्ति मुझे उठाकर दूर फेंक रही है!
मेरा न तो अपनी उड़ान पर नियंत्रण रहा है, और न ही इस उड़ती चट्टान पर! इस बालक में कोई अद्भुत शक्ति है!
और वह शक्ति मुझे इस द्वीप से दूर फेंक रही है! अगर मैं इस बार इस द्वीप से बाहर निकल गया तो शायद फिर कभी वापस न आ पाऊं! मुझे यहां से बाहर नहीं जाना है! नहीं जाना है!
पर ये शक्ति मुझे कोई मौका नहीं दे रही है! इस शक्ति को अपनी शक्ति से काटना होगा!
अपनी लावे की शक्ति का प्रयोग करना होगा!
इशारा पाते ही ज्वालामुखी से लावे का झरना फूट पड़ा
जिसका निशाना विषांक था-
आऽऽऽऽह!
विषांक इस वार के लिए तैयार नहीं था-

विषांक! क्या हुआ मेरे भाई? घबरा मत मैं आ रही हूं!
लेकिन लावा, अपनी प्यारी चीज के आसपास भी नहीं पहुंच पाया-
क्योंकि पूरा नागद्वीप, शरण में आए प्राणी के प्राण बचाने के लिए अपना लहू बहाने के लिए तैयार था-
और इस बार यह लड़ाई आर या पार की थी! क्योंकि लावा को काबू में करने के लिए नागद्वीप की सबसे बड़ी शक्ति आ धमकी थी-
बस! बहुत विनाश फैला लिया तूने! अब तू अपना विनाश देख! अब अगर तू यहां से जाना भी चाहेगा तो कालदूत तुझको जाने नहीं देगा!
अब मेरी बेटी अकेली है! उसको लेकर मैं तुरंत यहां से निकल जाता हूं!
मैं इन शैतानों से ज्यादा उलझकर अपनी बेटी को खतरे में नहीं डालना चाहता!
ओहऽऽऽ हूं! एक से एक अजीब शैतान हैं इस जगह पर! बस ये मुझको समझ में नहीं आ रहा है कि ये आखिर मेरी बेटी को यहां पर रोककर अपने पास क्यों रखना चाहते हैं? खैर, मुझे इससे क्या? मुझको तो बस अपनी बेटी को यहां से लेकर निकल जाना है!
और ये मैं करके ही रहूंगा! ये तीन बदन वाला उड़ता शैतान भी मुझे यह करने से रोक नहीं सकता!

आग की वह लहर पानी से भरा एक तालाब तक सुखा सकती थी-
लेकिन उस प्रचंड कम्पा को चीर चला ने अपने अंदर ही सोख लिया-
और फिर चीर चला, लावा के शरीर को ही चीरता चला गया-
आ ऽऽऽ ह!
अब कोई खतरा नहीं है गुड़िया। अब तुमको छुपाने के लिए नागद्वीप से कहीं दूर ले जाने की जरूरत नहीं है! महात्मा कालदूत से ये शैतान कभी जीत नहीं पाएगा।
अब तुमको कैसा लग रहा है विषांक?
विसर्पी निश्चिन्त हो गई थी! और इसका कारण भी स्पष्ट था-
लावा, कालदूत को पारकरके विसर्पी और अपनी बेटी तक नहीं पहुंच पा रहा था-
तुम मुस्कुरा रहे हो! यानी तुम ठीक हो! ये भगवान का ही चमत्कार है कि लावे के धमाके ने तुमको जरा सा भी नहीं झुलसाया!
आ ऽऽऽ ह! इसके एक शस्त्र ने मुझे घायल कर दिया है! और दूसरा शस्त्र मेरी गर्मी को सोखकर मुझे कमजोर बनाता जा रहा है!
जल्दी ही मैं ठंडी राख में बदल जाऊंगा...

और मेरे बाद मेरी बेटी को बचाने वाला कोई नहीं रहेगा! ऐसा नहीं होना चाहिए! नहीं होना चाहिए!
मुझे अपनी शक्तियाँ वापस चाहिए! वापस चाहिए!
ये भाग रहा है! शायद ये मेरी शक्ति का सामना और करना नहीं चाहता!
हम सफल हो गए! नागद्वीप को हमने सुरक्षित कर लिया है!
ये जिस रास्ते से आया था, उसी रास्ते से वापस जा रहा है!
ज्वालामुखी के रास्ते से!
उस लावे की मदद से जो उसके इशारे पर कठपुतली की तरह नाचता था-
के लिए ज्वालामुखी
नहीं घुसा था! अब वह इस
को जल्दी से जल्दी खत्म
था-
जमीन हिल क्यों रही है?
इस क्षेत्र में तो महात्मा कालदूत की कृपा से कभी भूकंप नहीं आता है!

ये जमीन भूकंप के कारण नहीं कांप रही है! बल्कि ज्वालामुखी के रास्ते से निकलने वाला लावा अब जमीन को फाड़कर बाहर निकल रहा है!
जरूर किसी कारण से ज्वालामुखी का मार्ग बन्द हो गया होगा!
किसी कारण से क्या? यह हरकत जरूर उसी शैतान लावा की है!
अपनी इस हरकत से नागद्वीप की धरती को लावा, पापड़ की तरह चूर-चूर कर दे रहा है! हमारे निवास स्थान या तो गिर रहे हैं या लावे से जल रहे हैं!
ऐसे तो देखते-देखते ही नागद्वीप खत्म हो जाएगा!
महात्मा कालदूत कुछ करते क्यों नहीं?
यह विनाशलीला चारों तरफ अपना नजारा दिखा रही थी-

और इस विनाशलीला का कहर उस स्थान पर भी टूट रहा था जो महात्मा कालदूत का साधना स्थल था-
ओह नहीं! लावा मेरे शक्ति केन्द्र को भी राख में बदल रहा है! इसी चमत्कारी स्थल से तो मुझको वह 'साधना-बल' मिलता है जो मुझको चमत्कारी शक्तियां प्रदान करता है। इस स्थान के नष्ट होने में मेरी शक्तियां भी क्षीण हो रही हैं!
अब मेरी शक्तियों में नागद्वीप का विनाश रोक सकने की क्षमता नहीं है!
नागद्वीप पर मंडराते खतरे को विसर्पी ने भी भांप लिया था-
स्थिति भयानक होती जा रही है, विषांक! हमको नागद्वीप छोड़ना ही पड़ेगा!
महानगर!
महात्मा कालदूत के अलावा अगर इस प्रलयकारी शैतान को कोई मात दे सकता है तो सिर्फ...
...नागराज!
लावा ने अपना काम भी पूरा कर लिया था और अपनी शक्ति भी फिर से प्राप्त कर ली थी-
सारे शैतान एक ही झटके में खत्म हो गए! अब मैं अपनी बेटी को... अरे!
मेरी बेटी कहां गई? वह जिसके साथ थी वह लड़की और बालक भी नजर नहीं आ रहे हैं!
वे जरूर यहां से भाग चुके हैं। मेरी बेटी के साथ।
पर लावा उसका पीछा नहीं छोड़ेगा! नहीं छोड़ेगा!

तेज गति से हवा में इधर-उधर उड़ते लावा ने-
जल्दी ही तीनों को ढूंढ निकाला-
वे रहे! अब बचकर कहां जाओगे! चारों तरफ पानी है और ऊपर तुम्हारी मौत लावा मंडरा रहा है!
ओह! इसने तो हमको ढूंढ निकाला!
दीदी बचाओ!
कैसे बचाऊं? मैं नाव को इतनी तेज नहीं चला सकती कि इससे दूर भाग सकूं!
और मेरे मामूली वारों का इस पर शायद ही कोई असर हो!
अभी एक और चमत्कार होने वाला था-
अरे! इस नाव में एकाएक पंख लग गए क्या? ये इतनी तेज कैसे चलने लगी?
ओह! इतनी गति! मैं इतना तेज उड़ने के बाद भी इस नाव तक नहीं पहुंच पा रहा हूं!
नाव तेजी से उस दिशा में बढ़ रही थी जहां पर स्थित था-

महानगर-
हमने उस मुसीबत का पता लगा लिया है, नागराज! 'गोल्ड-एक्सचेंज' के बाहर लगे सिक्योरिटी कैमरों ने उन लुटेरों की तस्वीरें खींच ली थीं! उन लुटेरों में से एक ये है! केमिकल जोंस!
कौन है ये केमिकल जोंस?
हमारी इंटेलिजेंस रिपोर्टों के अनुसार इसने पिछले दिनों में एक छोटा प्लेन किराए पर लिया था! और इसके साथ एक सोशल वर्कर मिस्टर रोशन कलावा और उसकी आठ साल की बेटी भी साथ गए थे! हमारा अनुमान है कि जोंस ने प्लेन में ही कोई शैतानी प्रयोग किया और उसके नतीजों को मिस्टर कलावा पर धोखे से आजमाया!
एक कुख्यात इंटरनेशनल क्रिमिनल है! जब कई देशों ने अपनी जमीन पर इसके शैतानी प्रयोगों की इजाजत देने से मना कर दिया तो ये अवैध रूप से हिन्दुस्तान आ गया! और छुपकर अपने प्रयोग करने लगा!
अब हमको न तो मिस्टर कलावा का कोई पता चल रहा है और न ही उनकी बेटी का! वर्ना उनसे हमको जोंस का कोई सुराग मिल सकता था!
ओह! अब मैं समझा!
कलावा अब लावा बन चुका है कमिश्नर साहब! और वह खुद अपनी बेटी को ढूंढता फिर रहा है!
ओ माई गॉड! ऐसा जरूर जोंस के शैतानी एक्सपेरीमेंट के कारण हुआ होगा! पर उसने महानगर पर हमला क्यों किया? ओह, वह जरूर अपनी बेटी को ढूंढ रहा होगा! पर उसकी बेटी तो महानगर में है ही नहीं!
पुलिस अंकल!
मेरे पापा को ढूंढ दो! उनका नाम श्री रोशन कलावा है!
ये... ये बच्ची यहां पर कैसे आई?

हमारे साथ आई है!
विसर्पी! तुम यहां पर कैसे? और ये बच्ची तुमको कहां पर मिली?
ये हमारे ना... मेरा मतलब द्वीप पर वायुयान से आ गिरी थी! इसीलिए हम इसको यहां ले आए!
पर तुमको ये कैसे पता चला कि इसको महानगर ही लेकर आना है! ओह, तुमको जरूर इस बच्ची ने बताया होगा!
नहीं! कारण ये नहीं है नागराज! आओ, मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है! अकेले में!
तुम्हारे चेहरे से ही लग रहा है कि बात गंभीर है विसर्पी!
और फिर-
हां, नागराज! उसने पूरा नाग-द्वीप तबाह कर डाला! अब इस बच्ची को उस शैतान से सिर्फ तुम ही बचा सकते हो!
ओफ! ये तुमलोगों ने क्या कर डाला, विसर्पी! तुमको एक बहुत बड़ी गलतफहमी हो गई है! लावा सचमुच इस लड़की का पिता है!
क्या?
हां! मुझको भी यह बात अभी-अभी पता चली है!
ओह! तो नागद्वीप वासियों की जान खामख्वाह ही खतरे में पड़ गई!
और अब लावा यहां पर भी आकर कहर बरपा कर देगा!
यह सब मेरी गलती के कारण हुआ है!
तुम्हारी कोई गलती नहीं है विसर्पी!
अब कलावा यहां पर आएगा तो मैं उसको पूरी बात समझा... ...अरे!
ये रोशनी कैसी है?

ये रोशनी उस धमाके की थी जो लावा का क्रोध फटने पर गूंजा था-
ये तो मैं फिर उसी स्थान पर आ गया जहां से मैं शैतानों के द्वीप पर गया था!
मैं समझ गया। ये सब आपस में मिले हुए हैं! ये इनका षड्यंत्र है कि ये मुझे इधर-उधर भगाते रहें!
लेकिन अब मैं इस नगर को भी उन शैतानों के द्वीप की तरह तबाह कर दूंगा! तब मैं नहीं, इन शैतानों की टोली इधर-उधर भागेगी!
पुलिस मुख्यालय
इस बिल्डिंग में वे शैतान, मेरी प्यारी गुड़िया को लेकर घुसे हैं। इसलिए इस इमारत पर तो मैं वार नहीं करूंगा...
लेकिन इनको इनके आसपास विनाश का वह नजारा दिखाऊंगा, जिसे देखकर इनकी रुहें कांप उठें!
इमारत के अंदर-
कुछ करो नागराज! रोको लावा को!
लावा की असलियत जानने के बाद मैं उस पर वार नहीं कर सकता विसर्पी! अब इसको रोकने का एक ही तरीका है!
इसकी बेटी को इसके हाथों में सौंप दो!
यही तो मैं भी करना चाहती हूं नागराज! पर वह बच्ची इसको पिता मानने के लिए तैयार नहीं है!
वह इससे बहुत डरी हुई है!
मैं उसको समझाता हूं! लावा के पास उसे मैं लेकर जाऊंगा!
जल्दी ही-
रुक जाओ कलावा! ये रही तुम्हारी बेटी! मैं इसको तुम्हारे हाथों में सौंपना चाहता हूं! इसीलिए विनाश बंद कर दो!
दरअसल ये सारी गलतफहमी तुम्हारी कमजोर याददाश्त के कारण पैदा हुई है! माफी हम को नहीं तुमको मांगनी चाहिए!
तुम सही कह रहे हो नागराज! मेरा दिमाग मेरे बदले रूप के साथ तालमेल नहीं बिठा पाया! अब मुझे मेरी बेटी मिल गई। अब मैं सबसे माफी मांगने के लिए तैयार हूं! आ जा बेटी! डर मत, आ जा!
नहीं कलावा! अभी तुम अपनी बेटी से नहीं मिल सकते!

क्यों, नागराज? अब क्या हो गया?
इस हालत में अगर तुमने अपनी बेटी का स्पर्श भी किया तो वह राख में बदल जाएगी! वैसे भी, तुम्हारे इस रूप को देखकर तुम्हारी बेटी तुमको अपना पिता मानने को तैयार ही नहीं है! वह डर रही है तुमसे!
फिर... फिर मैं क्या करूं नागराज? कैसे गाल चूमूं अपनी बेटी का! कैसे सीने से लगाऊं मैं इसको?
केमिकल जोंस जैसे शैतान तक पहुंचने में मेरी मदद करो! ताकि मैं उसको रोक भी सकूं और उससे तुमको तुम्हारा पुराना रूप भी वापस दिला सकूं! तब तुम अपनी बेटी को चूम भी सकोगे और गले से भी लगा सकोगे!
सही कहा नागराज! लेकिन मैं जोंस के बारे में कुछ भी नहीं जानता! बस एक 'साइंस सेमिनार' में मैं उससे मिला था! उसने मुझे अपने घर पर मिलने के लिए बुलाया था!
वहां पर उसने मुझसे यह प्रार्थना की कि मैं उसके प्रयोग में उसकी मदद करूं! और एक समाजसेवी होने के नाते मैं उसकी बात मान भी गया!
बस इतना ही जानता हूं मैं उसके बारे में!
पर तुम उसका घर तो जानते हो न! वहीं चलते हैं! शायद वहीं से उसका कोई सुराग मिले या शायद जोंस खुद ही मिल जाए!
लेकिन-
बस शैतान! मैं देख रहा हूं कि महानगर को विनाश से बचाने के लिए नागराज ने तुम्हारे सामने घुटने टेक दिए हैं! उसके सामने तो मजबूरी है, पर मेरे सामने अब कोई मजबूरी नहीं है!
क्योंकि नागद्वीप को तो तूने नष्ट कर ही दिया है! उसको तो मैं फिर से बसा लूंगा लेकिन ऐसा मैं तुझको दंड देने के बाद करूंगा!
और वह दंड होगा तेरी मौत!
ओह! महात्मा कालदूत इसके पीछे यहां तक आ गए हैं, और बहुत क्रोध में हैं!
इनको सच्चाई का पता नहीं है!
मुझको इस लड़ाई को रोकना होगा!

अब मुझको अपनी बेटी से मिलने से कोई नहीं रोक सकता!
कोई भी नहीं!
साधना स्थल नष्ट होने से मेरी शक्तियाँ सिर्फ क्षीण हुई हैं शैतान!
नष्ट नहीं हुई हैं!
मैं तुझको इस नगर को नष्ट नहीं करने दूंगा!
जा त्रिकाली! अलग कर दे इसकी गर्दन को धड़ से!
जा चीरचला! फाड़ डाल इसके हृदय को!
कालसर्पी! चूर-चूर कर दे इसके शरीर की हर हड्डी को!
नहीं, महात्मन्! इस निरपराध को मारने की भूल न करें!
मु...मुझे तो अभी भी डर लग रहा है!
लावा की शक्ल मेरे पापा से बिल्कुल नहीं मिलती! नागराज को धोखा हुआ है!
निरपराध? ये तुम क्या कह रहे हो, नागराज?
ये शैतान नागद्वीप का विनाशक है!
मैं वापस दीदी के पास जाऊंगी!

दीदी!
हा हा हा!
सारे दुश्मन एक साथ एक जगह पर ही मुझे मिल गए!
अब त्रिमुंडे सबका हिसाब एक साथ ही बराबर कर देगा!
दीदीsss
ईयायाsss
ये... ये तो जोंस और उसके आदमी हैं! इन्होंने ही धोखे में मुझे लावा बनाया! मेरी बेटी को मारने की कोशिश की! अब यही कोशिश ये दुबारा कर रहे हैं! पर... पर इनकी यह हालत हुई कैसे?
जैसे भी हुई हो! पर अब हम सत्य जान चुके हैं! और इस त्रिमुंडे ने उस प्राणी को हाथ लगाया है जो हमारी शरण में है!

इसीलिए इस त्रिमुंडे को दंड भी तीन शरीर वाला कालदूत ही देगा।
मुझको लावा समझने की भूल मत कर कालदूत!
क्योंकि मेरे पास लावा से कई गुना ज्यादा शक्तियां हैं। सोने के कवच ने हमारे शरीर को कई अद्भुत शक्तियां दे डाली हैं।
परन्तु कालसर्पी धातु की नहीं है! जा कालसर्पी! वश में कर इस शैतान को!
ये मुझको वश में नहीं करेगी!...
... बल्कि मैं इसको वश में करूंगा!
ओह! हमारे शस्त्र इसके शरीर से टकराते ही गलकर उसमें समा गए हैं!
शायद इसलिए क्योंकि उन शस्त्रों में अन्य धातुओं के साथ स्वर्ण धातु भी थी!

और ये तुझको वश में करेगी!
अब इस पर मेरे सोने का खोल चढ़ चुका है! ये हमारा हिस्सा बन चुकी है! अब ये वही करेगी जो मैं चाहूंगा!
आऽऽऽह!
कालसर्पी, महात्मा को मार डालेगी! इसको रोकना होगा! और ये रुकेगी सिर्फ त्रिमुंडे के आदेश से!
और त्रिमुंडे ऐसा करेगा मेरे आदेश पर!
रुक जाओ नागराज! इस शैतान से सिर्फ मैं निपट सकता हूं!
आग को आग ही काट सकती है!
लेकिन नागराज वह तूफान नहीं था जो रोकने से रुक जाए!
ये तूफान तो विनाश फैलाने के बाद ही थमता था-
आ नागराज आ! छोड़ सर्प मुझ पर! जितने चाहे उतने छोड़!
आऽऽऽऽ
मैं महात्मा कालदूत वाली गलती नहीं दोहराऊंगा! अपने ही सर्पों को तुम्हारा गुलाम बनाकर अपना दुश्मन नहीं बनाऊंगा!
पहले तुझ पर मैं अपनी विष फुंकार छोडूंगा...
... और जब तू इसको सूंघने के बाद लड़खड़ाएगा...

तब मैं अपनी नागशक्ति से भरे वार से तुझे बेहोश कर दूंगा!
गलती तो तू कर गया है, नागराज! मुझ पर वार करके तूने मेरा स्पर्श कर लिया है!
और मेरा स्पर्श करते ही मेरे सोने की पर्त तुझ पर चढ़ने लगेगी।
और तू बन जाएगा मेरा स्वर्णिम गुलाम।
हा हा हा! दो दुश्मन तो गए! और अब तेरी बारी है लावा!
ओफ्फ! ये क्या हो गया? इस शैतान ने तो महात्मा और नागराज दोनों को ही बेबस कर दिया है!
अब हम क्या करेंगे विषांक?
विषांक को पता था कि उसको क्या करना है-
कालसर्पी की पकड़ ढीली हो रही है! पर कैसे?
कारण चाहे कुछ भी हो!
पर अब हम शक्ति लगाकर इसको खोल सकते हैं!

त्रिमुंडे का सारा ध्यान फिलहाल नागराज पर था-
हा हा हा! तुझे सोने ने पूरी तरह से ढक लिया है!
अब तू मेरा गुलाम है नागराज! तू आराम से खड़ा होकर मेरे हुकम का इंतजार कर! तब तक हम लावा को देखते हैं!
अब बता लावा, कितनी गर्मी है तेरे अंदर?
आऽऽऽह! इसकी लपट में तो दहकते लावे से भी ज्यादा गर्मी है!
ये तो मुझे जलाकर खाक कर देगा!
लेकिन-
आऽऽऽह! ये मलबे का टुकड़ा मुझ पर किसने फेंका?
तीनों दुश्मन अब त्रिमुंडे के कब्जे में आने ही वाले थे-
नागराज! तू... तू कैसे बच गया? ये... ये असंभव है! अगर तू यहां है तो उधर क्या है?
उसे मेरी मूर्ति समझ ले त्रिमुंडे! सोने की पर्त पूरी तरह से मेरे शरीर पर चढ़ने से पहले ही मैं इच्छाधारी कणों में बदल गया था!
और स्वर्ण खोल से बाहर आ गया था!
अब मैं भी आजाद हो गया हूं, नागराज!

अब ये शैतान हम तीनों के वारों से नहीं बच सकता!
हमने साधना शक्ति से अपने शस्त्रों को दुबारा पैदा कर लिया है!
नागराज का तो समझ में आ गया! पर ये कालदूत कैसे आजाद हो गया! समझ में नहीं आया! खैर, समझने का समय भी नहीं है! फिलहाल तो मौत को टालने का कोई रास्ता निकालना होगा!
मिल गया रास्ता!
फूंऽऽऽऽऽ
आऽऽऽह! इसने तो हमें आग के भंवर में घेर दिया है! खौं खौं!
सांस लेने में दिक्कत हो रही है!
ये आग हमारा दम घोंट रही है!
बस! रुक जाओ! तुम तीनों! वर्ना मैं इन दोनों की जान ले लूंगा!
इनमें से एक भावा की जान है, और दूसरा तुम इच्छाधारी सांपों का प्यारा है!
अब बाजी फिर से त्रिमुंडे के हाथ में है!
इस हालत में मेरा वार कर पाना जरा मुश्किल है! इसलिए मैं ये बाजी प्यादों के साथ खेलूंगा!
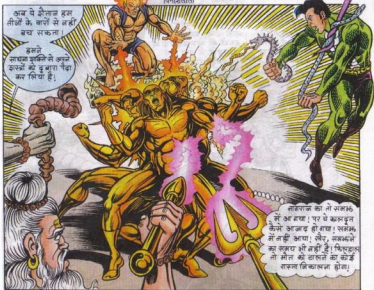
ये हड़ीला नाग एक बार फिर कालदूत को जकड़ रहा है! ये फिर से मेरे वश में आ गया है!... इसलिए कालदूत से तो ये मेरा गुलाम सुनहरा नाग ही निपट लेगा!
और कलावा और नागराज एक-दूसरे से निपटेंगे! भिड़ जाओ दोनों! वर्ना इन दोनों बच्चों की कोमल चमड़ी को पलभर में मैं जला हुआ चमड़ा बना दूंगा!
चलो भिड़ जाओ! वर्ना...
माफ करना लावा! मजबूरी है! बच्चों की जान का सवाल न होता तो मैं तुम पर कभी हाथ न उठाता!
मेरी मजबूरी भी यही है, नागराज!
और सुनो! ढंग से लड़ना! अगर तुम दोनों में से किसी ने भी दूसरे पर जरा सी भी दया दिखाई तो मैं इन बच्चों पर दया न दिखाने के लिए विवश हो जाऊंगा! लड़ो! तब तक लड़ो जब तक तुममें से एक कोई खत्म न हो जाए!

Amaan
दोनों एक- दूसरे पर घातक वार करने को मजबूर थे-
लेकिन लड़ाई का एक फायदा भी होता है-
दो लड़ते दुश्मन एक- दूसरे के पास आ जाते हैं-
कलावा! ये लड़ाई हममें से एक की मौत के साथ नहीं बल्कि त्रिमुंडे के अंत के साथ खत्म होनी चाहिए!
ये शक्ति हमारे अंदर केमिकल जोंस द्वारा बनाए गए एक अग्निरोधक मिश्रण को पीने के कारण है!
पर वह एंटीडोट होगा कहां पर?
अगर जोंस ने ऐसा कोई मिश्रण बनाकर दिया है तो उससे पहले उसके मिश्रण का कोई एंटीडोट बनाकर जरूर रखा होगा, ताकि काम पूरा होने के बाद वह सामान्य रूप में वापस आ सके!
और त्रिमुंडे का अंत तभी होगा जब इसकी शक्ति का अंत होगा!
पर इसकी शक्ति का अंत होगा कैसे?
क्या है इसकी और तुम्हारी शक्ति का रहस्य!
जोंस ने अपनी लैब अपने प्लेन में बना रखी है! एंटीडोट जरूर उसी प्लेन में होगा! प्लेन एक सिक्स- सीटर वाला डकोटा प्लेन है!
एंटीडोट प्लेन में होगा और प्लेन होगा महानगर एयर पोर्ट पर। मैं अभी विसर्पी को मानसिक संकेत के जरिए संदेश देकर वहां पर भेज रहा हूं!
विसर्पी नागराज का संदेश मिलते ही वहां से रवाना हो गई-
और लगभग इसी वक्त विषांक को होश आ गया-
तुम दोनों एक- दूसरे के साथ खेल कर रहे हो! कोई योजना बना रहे हो! मैं तुम दोनों को इसका मौका नहीं दूंगा!
नागराज को स्वर्ण खोल में जकड़कर अपना गुलाम बना लूंगा! और फिर तेरी शक्तियां, एंटीडोट द्वारा खत्म करके तुझको भी खत्म कर दूंगा कलावा!
या शायद था-
अब नागराज और कलावा के पास योजना तो थी, पर उस पर अमल कर पाने का वक्त नहीं था-

अब जो होने वाला था उसको देखकर सभी का चौंक पड़ना लाजिमी था-
ये क्या हो रहा है नागराज? मेरा ऊर्जा में बदल चुका शरीर तुम्हारे शरीर में कैसे समा रहा है!
हम दोनों के शरीर एक हो रहे हैं नागराज!
हां, कलावा! तुम्हारा ऊर्जा शरीर मेरे शरीर में समा चुका है! अब मैं बन गया हूं अग्नि नागराज!
और मेरा ये रूप...
पता नहीं कलावा! कोई अद्भुत शक्ति ऐसा कर रही है! तुम्हारी आग मेरे शरीर को तो नहीं जला रही है लेकिन मेरे शरीर पर चढ़ रही त्रिमुंडे की सोने की पर्त को गला जरूर दे रही है!
...त्रिमुंडे से निपटने में सक्षम है!
नागराज के मुंह से निकल रही विषफुंकार भी अब दहक रही थी-
और त्रिमुंडे का दिमाग इस दहकते विष से बच नहीं सकता था-
आऽऽऽह! हमारे सिर चकरा रहे हैं!
अब तुम्हारा शैतानी रूप खत्म करूंगा मैं!
अलग-अलग करूंगा तुम तीनों को!
नागराज का दहकता हाथ गर्म चाकू की तरह तीनों जुड़े शरीरों को अलग करता चला गया-
रब
वक

Amaan
सोने की पर्त से ढके तीनों के शरीर अलग-अलग हो गए-
शुक्रिया नागराज! तूने अपनी मौत को खुद ही बुला लिया है! हम तो खुद भी अलग होना चाहते थे! पर अपने आप ही अपने शरीर पर वार नहीं कर सकते थे!
अब हम तुझ पर तीन तरफ से वार कर सकते हैं!
ऊंहूं!
मेरा तुम तीनों को अलग करने का कारण तीन तरफ से पिटना नहीं था!
बल्कि तुम तीनों को एक साथ पीटना था!
नागराज! ये तुमको क्या हुआ? खैर!
मैंने तुम्हारा काम कर दिया है! शुक्र है कि हवाई पट्टी यहां से ज्यादा दूर नहीं थी!
ये रहे इसके सारे मिश्रण!
पर इसमें तुम्हारे काम का कौन सा मिश्रण है यह मुझको नहीं पता!
और ये तुमको कभी पता नहीं चल पाएगा, नागराज! क्योंकि सिर्फ मैं जानता हूं कि इनमें से अग्निरोधक मिश्रण की काट कौन सी शीशी में है!
ठीक है! अगर ये मिश्रण मेरे काम नहीं आ सकते...
...तो फिर तुम्हारे काम भी नहीं आएंगे! अब अगर तुम इंसानों की तरह जीना चाहते हो तो जेल की लैब में अपने लिए एक नया मिश्रण बना लेना!
नहीं! अग्निरोधक मिश्रण की एंटीडोट बनाने में मुझे कई वर्ष लग जाएंगे!
केमिकल जोंस का शरीर खास शीशियों को पकड़ने के लिए आगे लपका-

लेकिन वे शीशियां हवा में ही उससे छीन ली गईं-
थैंक्यू जोंस! तुमने खुद ही मुझको एंटीडोट का पता बता दिया है!
अब ये मिश्रण तुम्हारी शक्तियों को नष्ट करने के साथ-साथ कलावा को भी उसके सामान्य रूप में ले आएगा!
और तब उसकी बेटी उसको पहचान लेगी।
इनकी अग्निरोधक क्षमता खत्म होते ही इनकी शक्तियां भी नष्ट हो रही हैं नागराज! कालसर्पी फिर से मेरे वश में आ रही है!
और फिर-
पापा!
शुक्र है कि मेरी प्यारी गुड़िया ने मुझको पहचान लिया!
जोंस और उसके साथी अब पुलिस हिरासत में हैं! हमारा काम यहां पर खत्म हो गया है! अब हमको नागद्वीप में पुनर्निर्माण का कार्य करना है!
काम खत्म होते ही कलावा का शरीर भी मेरे शरीर से अलग हो रहा है! पर ये हुआ कैसे ये एक रहस्य ही है!
हम भी चलते हैं नागराज! जाने का मन तो नहीं है! पर जाना तो पड़ेगा ही!
तुम जाओ विसर्पी! पर विषांक को मैं अपने साथ महानगर में रखना चाहूंगा! इसको अपनी परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक ज्ञान की भी आवश्यकता है!
उत्तम विचार हैं नागराज! हम तुमसे सहमत हैं! और इससे मिलने के बहाने हम तुमसे भी मिलते रहेंगे!
समाप्त.